NATIONAL CONFERENCE ON ENGINEERING, SCIENCE, MANAGEMENT, ARTS AND HUMANITIES (NCESMAH – 2021)
31ST OCTOBER, 2021

CERTIFICATE NO : NCESMAH /2021/C1021769

छात्रों के लिए नैतिक मूल्यों के महत्व का अध्ययन

PRAMOD KUMAR PRAVIN

Research Scholar, Department of Education,

Sri Satya Sai University of Technology & Medical Sciences, Sehore, M.P, India.

ABSTRACT

हम जानते हैं कि आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। वर्तमान पीढ़ी के छात्रों का ध्यान रखना आवश्यक है। यदि हम छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास करेंगे तो आने वाली पीढ़ी सुखी जीवन व्यतीत करेगी। इसलिए नैतिक शिक्षा को अधिक महत्व देना आवश्यक है। नैतिक शिक्षा में सामाजिक शिक्षा शामिल है, लेकिन इसका विस्तार इस हद तक होता है कि इसमें व्यक्ति अपनी शक्तियों और क्षमताओं के साथ–साथ अन्य लोगों और बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ अपने संबंधों में व्यवहार करने के तरीके को शामिल करता है। यह व्यक्तिगत संपूर्णता के लिए प्रयास करने से उतना ही संबंधित है जितना दूसरों के प्रति एक जिम्मेदार रवैया पैदा करने और सही और गलत व्यवहार की समझ के साथ। नैतिक शिक्षा में सबसे रचनात्मक कारक एक खुशहाल, उद्देश्यपूर्ण, उत्तेजक घरेलू जीवन है जो बच्चे का जीवित मार्गदर्शन की पेशकश करते हुए और व्यवहार के लिए उचित सीमा निर्धारित करते हुए अपनी शक्तियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है। भारतीय संस्कृति अपने आध्यात्मिक मूल्यों में गहराई से निहित है और जब तक इन मूल्यों को छात्रों के जीवन में अपना रास्ता नहीं मिल जाता है, तब तक शिक्षा अपना महत्व खो देगी और छात्रों को जीने के लिए और आदर्शों के साथ काम करने की दृष्टि देने के अपने कार्य को पूरा नहीं करेगी। इसलिए, लोकतंत्र, समाजवाद, मानवतावाद और धर्मनिरपेक्षता के पोषित लक्ष्यों के विपरीत, यह बहुत आवश्यक है कि हमारी शिक्षा प्रणाली एक नई सकारात्मक नैतिकता विकसित करे जिसे प्रभावी रूप से स्कूली पाठ्यक्रम में बनाया जा सके।